अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2016) | दिनांक 22.12.2016

प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

जैन तत्त्वविद्या – 50

प्र.1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें – 15

(क) मनोयोग किसे कहते हैं?
(ख) प्रत्याख्यान लोभ किसके समान है?
(ग) पंडित मरण किन गुणस्थानों में होता है?
(घ) नैगम नय किसे कहते हैं?
(ङ) दुरात्मा व महात्मा कौन से भाव हैं?
(च) 'अभिग्रह' शब्द की संक्षिप्त व्याख्या करें।
(छ) कौन से शरीर मृत्यु के बाद भी जीव के साथ रहते हैं?
(ज) बहुमान का क्या अर्थ है?
(झ) अगमिक श्रुत किसे कहते हैं?
(ञ) अमूर्त पदार्थ पौद्गलिक क्यों नहीं होते?
(त) शब्द की उत्पत्ति के स्थान कौन से हैं? इन स्थानों का संबंध किससे है?
(थ) 'उपबृंहण' का क्या अर्थ है?
(द) तेरहवें गुणस्थान में कितने व कौन से कर्म क्षय होते हैं?
(ध) लवण समुन्द्र, धातकीखंड व अर्द्ध पुष्कर द्वीप का विस्तार कितने योजन का है?
(न) 'मुक्ति' का दूसरा नाम श्रमण धर्म के आधार पर बताएँ।
(प) शुक्ल ध्यान का संक्षिप्त अर्थ लिखें।
(फ) ईर्यापथिक बंध किन गुणस्थानों में होता है?

प्र.2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 15

(क) इंत्थस्थ संस्थान की व्याख्या करें।
(ख) क्षायोपशमिक भाव किसे कहते हैं? उसकी व्याख्या करें।
(ग) छद्मस्थ किसे कहते हैं? उसके भेदों का वर्णन करें।
(घ) श्रुत व्यवहार व धारणा व्यवहार की व्याख्या करें।
(ड.) जीव के चार प्रकार में से तिर्यंच जीवों पर टिप्पणी लिखें।

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें – 20

(क) चारित्र के प्रकारों की विस्तृत व्याख्या करें।
(ख) कषाय से होने वाले अभिघात के प्रकारों का वर्णन करें।
(ग) समुद्घात को परिभाषित करते हुए, उसके भेदों की व्याख्या करें।
(घ) ध्यान को परिभाषित करते हुए उसके प्रकारों का वर्णन करें।

तत्त्व–चर्चा – 30

प्र.4 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर लिखें – 15

(क) अजीव, पुण्य, पाप, बंध चोर या साहुकार?
(ख) काल छह में कौन? नौ में कौन?
(ग) छह द्रव्य में एक कितने? अनेक कितने?
(घ) एकेन्द्रिय सूक्ष्म या बादर?
(ङ) धर्म और धर्मी एक या दो?

(च) सामायिक पुण्य या पाप?
(छ) धर्म छह में कौन? नौ में कौन?
(ज) आकाशास्तिकाय छह में कौन? नौ में कौन?
(झ) पाप और धर्म एक या दो?
(ञ) दया छह में कौन? नौ में कौन?
(त) कर्म चोर या साहूकार?
(थ) पाप और पापी एक या दो?
(द) अरिहंत भगवान संज्ञी या असंज्ञी?
(ध) पंचेन्द्रिय संज्ञी या असंज्ञी?
(न) श्रावक तपस्या करे वह व्रत में या अव्रत में?
(प) अव्रत छह में कौन? नौ में कौन?
(फ) सावद्य पुण्य या पाप?

प्र.5 कोई तीन चर्चा लिखें – 15

(क) छह द्रव्यों पर छह में नौ की चर्चा।
(ख) नौ तत्त्व पर सावद्य–निरवद्य।
(ग) पुण्य धर्म आदि एक या दो?
(घ) छह द्रव्य पर चर्चा।
(ड.) निरवद्य पर चर्चा।

गीतिका – 20

(प्राणी समकित.....दृढ़ समकित धर.....)

प्र.6 कोई तीन प्रश्न का उत्तर दें व पद्य भी लिखें? – 12

(क) करण जोग.....सांई रे।
(ख) आश्रव नाला.....चतुराई रे।
(ग) पाखंडिया संगत.....जिम जाण।
(घ) नवूं ही.....भरम अनेक।
(ड़) सबहि पुरुष.....गुण भण्डार।

प्र.7 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 8

(क) सावद्य व निरवद्य कार्यों से क्या होता है?
(ख) जो व्यक्ति भगवान की आज्ञा का उल्लंघन कर के पाखंडियों की संगत करते हैं तो उसके फलस्वरूप क्या होता है?
(ग) सम्यक्त्व की प्राप्ति कैसे होती है? उस समय कितने मिथ्यात्व छूटते हैं?
(घ) भगवान महावीर के कितने श्रावकों का उल्लेख मिलता है? किन्हीं तीन श्रावकों के नाम का उल्लेख करें।
(ङ) शिवपुर (मोक्ष) के कितने मार्ग बतलाए गए हैं?
(च) सम्यक्त्व आए बिना जीव मृत्यु को प्राप्त कर कौन से देवलोक तक जा सकता है?